पुना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VII
Hindi
Specimen copy
Year- 2021-22
Month-June, July

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	जून	➢ **पाठ -3 = हिमालय की बेटियाँ** ➢ व्याकरण = उपसर्ग ,प्रत्यय ➢ लेखन = अनुच्छेद ➢ **कविता -4= कठपुतली** ➢ व्याकरण = काल ➢ लेखन = पत्र लेखन ➢ **पाठ-5= मिठाईवाला** ➢ व्याकरण = समास ➢ लेखन = सूचना लेखन ➢ बाल महाभारत =पाठ -3 से 6
2	जुलाई	➢ **पाठ-6= रक्त और हमारा शरीर** ➢ व्याकरण = सर्वनाम ➢ लेखन = कहानी लेखन ➢ **पाठ-7= पापा खो गए** ➢ व्याकरण = क्रिया ➢ लेखन = विज्ञापन ➢ बाल महाभारत=पाठ-7 से 10

पाठ -3 हिमालय की बेटियाँ
(लेखक – नागार्जुन)

➢ हिमालय की बेटियां का सारांश

लेखक जब दूर से हिमालय को गोदी से निकलती नदियों की देखता था तो वे उसे अति सुदर प्रतीत होती थीं। उनका स्वरूप एकदम गंभीर, शात और अपने आप में मस्त दिखाई देता था। वे शिष्ट महिला की भौंति दिखती थी। लेखक के मन में उनके प्रति बहुत आदर और श्रद्धा का भाव था। जब वह उनमें डुबकियाँ लगाता है. तो ऐसा प्रतीत होता जैसे-माँ, दादी, मौसी या मामी की गोद में खेल रहा हो अर्थात् नदियों के साथ लेखक को आत्मीय भावना जुड गई थी। कई वर्षों तक लेखक नदियों को काफी दूर से देखता रहा, लेकिन एक बार वह हिमालय की काफी चढाई चढ़ा, तो उसे नदियों का बदला हुआ आकर्षक रूप देखने का अवसर प्राप्त हुआ।

लेखक को यह समझ नहीं आता कि निरंतर, शांत स्वरूप में आगे बढ़ती नदियों का लक्ष्य क्या है? ये किससे मिलने की चाह में आगे की ओर बढ़ती जा रही हैं? अपार प्रेम करने वाले पिता हिमालय को छोड़कर ये किसका प्रेम पाना चाहती हैं? जिस प्रकार बेटियाँ ससुराल जाने के समय मायके की हर चीज़ जिसे वे प्रेम करती हैं, खुशी-खुशी छोड़ जाती हैं, उसी प्रकार ये हिमालय की बेटियाँ भी बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, पौधों से भरपूर घाटियाँ, गहरी गुफाएं, हरी-भरी घाटियाँ सब कुछ छोड़कर समुद्र की ओर बढ़ जाती हैं कुछ आगे बढ़कर देवदार, चीड़,चिनार, सफ़ेदा, कैल के जंगलों में जाकर उन्हें अवश्य अपने बचपन की याद आती होगी। काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता का रूप दिया क्योंकि ये सर्वस्व कल्याण ही करती हैं।

➢ नए शब्द

1) संभ्रांत
2) विस्मय
3) लक्ष्य
4) अतृप्त
5) निकेतन
6) विरही
7) सुचेतन
8) उचटना
9) मुदित

➢ शब्दार्थ

1) सभ्रांत = शिष्ट
2) भाव- भंगी = स्वरूप
3) विस्मय = आश्चर्य
4) लक्ष्य = मंजिल
5) अतृप्त = असंतुष्ट
6) सरसब्ज = हरी भरी
7) निकेतन = घर
8) विरही = बिछड़ने का दुख
9) सुचेतन = सजीव
10) मुदित = प्रसन्न

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

1) लेखक ने किन्हें दूर से देखा था?
   (a) हिमालय पर्वत को
   (b) हिमालय की चोटियों को
   (c) हिमालय से निकलने वाली नदियों को
2) नदियों की बाल लीला कहाँ देखी जा सकती है?
   (a) घाटियों में
   (b) नंगी पहाड़ियों पर
   (c) उपत्यकाओं में
   (d) उपर्युक्त सभी
3) निम्नलिखित में से किस नदी का नाम पाठ में नहीं आया है?
   (a) रांची
   (b) सतलुज
   (c) गोदावरी
   (d) कोसी
4) बेतवा नदी को किसकी प्रेयसी के रूप चित्रित किया गया है? ।
   (a) यक्ष की
   (b) कालिदास की
   (c) मेघदूत की
   (d) हिमालय की
5) लेखक को नदियाँ कहाँ अठखेलियाँ करती हुई दिखाई पड़ती हैं?
   (a) हिमालय के मैदानी इलाकों में
   (b) हिमालय की गोद में
   (c) सागर की गोद में
   (d) घाटियों की गोद में

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 लेखक ने किसको ससुर और किसको दामाद कहा है?

उत्तर- लेखक ने हिमालय को ससुर और समुद्र को उसका दामाद कहा है।

प्रश्न-2 नदियों का उल्लास कहाँ जाकर गायब हो जाता है?

उत्तर- नदियों का उल्लास मैदान में जाकर गायब हो जाता है।

प्रश्न-3 नदियां कहाँ उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं?

उत्तर - नदियां हिमालय की गोद में उछलती, कूदती और हँसती दिखाई पड़ती हैं।

प्रश्न-4 हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक कौन हैं?

उत्तर - हिमालय की बेटियाँ पाठ के लेखक नागार्जुन हैं।

प्रश्न-5 इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ किन्हें कहा गया है?

उत्तर - इस पाठ में हिमालय की बेटियाँ नदियों को कहा गया है।

प्रश्न-6 नदी का गंभीर और शांत रूप किस भाँति प्रतीत होता है?

उत्तर - नदी का गंभीर और शांत रूप संभ्रांत महिला की भाँति प्रतीत होता है।

प्रश्न-7 लेखक ने नदियों का कुछ और रूप कब देखा?

उत्तर - जब लेखक हिमालय के कंधे पर चढ़ा तो उसने नदियों का कुछ और रूप ही देखा।

प्रश्न-8 हिमालय पर नदियों का रूप और स्वभाव कैसा होता है?

उत्तर - हिमालय पर नदियाँ दुबली पतली होती हैं और इनके स्वभाव में चंचलता होती है।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पर्वतराज हिमालय को सौभाग्यशाली क्यों कहा गया है?

उत्तर - दोनों महानादियाँ सिंधु और ब्रह्मपुत्र समुद्र की ओर प्रवाहित होती रही है। समुद्र को पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला इसलिए इसे सौभाग्यशाली कहा गया है।

प्रश्न-2 लेखक के मन में नदियों को बहन का स्थान देने की भावना कब उत्पन्न हुई?

उत्तर - एक दिन लेखक का मन उचट गया था, तबीयत ढीली थी। वह सतलज के किनारे जाकर बैठ गया और अपने पैर पानी में लटका दिए। थोड़ी ही देर में उस प्रगतिशील जल ने कवी पर असर डाला। उनका तन और मन ताज़ा हो गया और उन्होंने नदियों को बहन मान कर एक कविता रच दी और उसे गुनगुनाने लगे।

प्रश्न-3 लेखक ने किन-किन नदियों का ज़िक्र इस पाठ में किया है और उनके अस्तित्व के विषय में क्या कहा है?

उत्तर - लेखक ने सिंधु, ब्रह्मपुत्र, रावी, सतलुज, व्यास, चनाब, झेलम, काबुल, कपिशा, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी आदि नदियों का ज़िक्र इस पाठ में किया है। लेखक कहता है कि वास्तव में ये नदियाँ दयालु हिमालय के पिघले हुए बरफ़ की एक-एक बूँद से इकठ्ठा हो-होकर बनी हैं और अंत में समुद्र की ओर प्रवाहित होती हैं।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

उत्तर - सिंधु और ब्रह्मपुत्र ये दो ऐसे नाम हैं जिनके सुनते ही रावी, सतलुज, व्यास, चनाब, झेलम, काबुल, कुभा, कपिशा, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी आदि हिमालय की छोटी-बड़ी सभी नदियों के नाम याद आ जाते हैं। वास्तव में सिंधु और ब्रह्मपुत्र की उत्पत्ति हिमालय के पिघले हुए जमी बर्फ़ के जल से हुई है। समुद्र भी स्वंय को सौभाग्यशाली मानता है कि उसे पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला है।

प्रश्न-2 काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर - नदियाँ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। नदियों के किनारे पर प्राचीन काल में कई सभ्यताओं का विकास हुआ। नदियाँ पर्यावरण और प्रकृति को स्वच्छ बनाए रखने में सहायक होती हैं। इनके जल से फ़सल सींचे जाते हैं। आधुनिक युग में नदी के जल को रोक कर बाँधों का निर्माण किया गया है जो जल की आवश्यकता पूर्ती के साथ-साथ विद्युत् ऊर्जा की आवश्यकता को भी पूर्ण करती है। नदियों की इस महत्ता के कारण ही काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है।

➢ व्याकरण

* उपसर्ग-

उपसर्ग में हम किसी मूल शब्द के आगे शब्दांश जोड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं । उपसर्ग शब्द का निर्माण उप और सर्ग के मिलने से हुआ है ।उप का अर्थ जहां आगे होता है वही सर्ग का मतलब होता है, जोड़ना इस प्रकार उपसर्ग की सबसे अर्थवान परिभाषा हुई," उपसर्ग वह शब्दांश है जो किसी शब्द के आगे लगकर नए नए शब्दों का निर्माण करता है।"

अति –अतिरिक्त, अतिशय, अतिशयोक्ति

अनु – अनुभव, अनुसार,अनुचर, अनुग्रह

निस् – निस्वार्थ, निष्कर्ष निष्पक्ष

परि – परिस्थिति, परिवार, परिहास

हम – हमसफ़र, हमशक्ल, हमदर्द

हर – हरअजीज , हरवक्त, हरदम

खुश –खुशफहमी, खुशदिल, खुशमिजाज

ला – लानत, लाचार, लाइलाज

* प्रत्यय-

प्रति और अवयव के मिलने से बना शब्द प्रत्यय- कहलाता है। वह शब्दांश जो किसी शब्द के पीछे लग कर एक नए शब्द का निर्माण करता है प्रत्यय कहलाता है। जैसे पूजा में पा लगता है तो पुजापा बन जाता है।

आवट – मिलावट,लिखावट,बसावट, बनावट

आहट – फुसफुसाहट,मरमराहट, घबराहट। छटपटाहट

आया – बनाया, सुनाया, बहलाया, खिलाया

आक – छपाक,तपाक,चटाक, मजाक

आऊ – लडाऊ,गिराऊ,बुझाऊ,घुमाऊ

इमा – गरिमा, लघिमा

नाक – खतरनाक, दर्दनाक

दान – दीपदान, अंगदान, पिंडदान

कार – कलाकार चित्रकार पत्रकार, कुंभकार

लेखन -विभाग

- अनुच्छेद
- त्योहारों का महत्त्व

संकेत बिंदु-.

- विभिन्न क्षेत्रों के अपने-अपने त्योहार
- विभिन्न प्रकार के त्योहार
- त्योहारों का महत्त्व
- त्योहारों के स्वरूप में परिवर्तन

भारत त्योहारों एवं पर्यों का देश है। शायद ही कोई महीना या ऋतु हो, जब कोई-न-कोई त्योहार न मनाया जाता हो। भारत एक विशाल देश है। यहाँ की विविधता के कारण ही विविध प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। यहाँ परंपरा और मान्यता के अनुसार नागपंचमी, रक्षाबंधन, दीपावली, दशहरा, होली, ईद, पोंगल, गरबा, वसंत पंचमी, बैसाखी आदि त्योहार मनाए जाते हैं। इसके अलावा कुछ त्योहारों को सारा देश मिलकर एक साथ मनाता है। ऐसे त्योहारों को राष्ट्रीय पर्व कहा जाता है। इन पर्यों में स्वतंत्रता दिवस, . गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती प्रमुख हैं। ये त्योहार हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ये त्योहार जहाँ भाई-चारा, प्रेमसद्भाव तथा सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाते हैं, वहीं राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम और देशभक्ति की भावना को भी प्रगाढ़ करते हैं। इनसे हमारी सांस्कृतिक गरिमा सुरक्षित रहती है।

वर्तमान में इन त्योहारों के स्वरूप में पर्याप्त बदलाव आ गया है। रक्षाबंधन के पवित्र अभिमंत्रित धागों का स्थान बाज़ारू राखी ने, मिट्टी के दीपों की जगह बिजली के बल्बों ने तथा होली के प्रेम और प्यार भरे रंगों की जगह कीचड़, कालिख और पेंट ने ले लिया है। आज इन त्योहारों को सादगी एवं पवित्रता से मनाने की आवश्यकता है।

* गतिविधि – हिमालय का चित्र बनाए |

कविता-4 कठपुतली

(कवि – भवानी प्रसाद मिश्र)

- **कठपुतली कविता का सारांश**- कठपुतली कविता में कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने कठपुतलियों के मन की व्यथा को दर्शाया है। ये सभी धागों में बंधे-बंधे परेशान हो चुकी हैं और इन्हें दूसरों के इशारों पर नाचने में दुख होता है। इस दुख से बाहर निकलने के लिए एक कठपुतली विद्रोह के शुरुआत करती है, वो सब धागे तोड़कर अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती है। अन्य सभी कठपुतलियां भी उसकी बातों से सहमत हो जाती हैं और स्वतंत्र होने की चाह व्यक्त करती हैं। मगर, जब पहली कठपुतली पर सभी की स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी आती है, तो वो सोच में पड़ जाती है।

- **नए शब्द**

1) क्रोधित
2) कठपुतली
3) उत्कृष्ट

- **शब्दार्थ**

1) गुस्से से उबली – बहुत क्रोधित हुई
2) पाव पर छोड़ देना – आत्मनिर्भर होने देना
3) स्वतन्त्रता – आजाद
4) इच्छा – कामना

5) छंद – पुकार

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कठपुतली कविता के रचयिता हैं

(a) मैथलीशरण गुप्त **(b)** भवानी प्रसाद मिश्र

(c) सुमित्रानंदन पंत (d) सुभद्रा कुमारी चौहान

2) कठपुतली को किस बात का दुख था?

(a) हरदम हँसने का **(b)** दूसरों के इशारे पर नाचने का

(c) हरदम खेलने का (d) हरदम धागा खींचने का

3) कठपुतली के मन में कौन-सी इच्छा जागी?

(a) मस्ती करने की (b) खेलने की

(c) आज़ाद होने की (d) नाचने की

4) पहली कठपुतली ने दूसरी कठपुतली से क्या कहा?

(a) स्वतंत्र होने के लिए (b) अपने पैरों पर खड़े होने के लिए

(c) बंधन से मुक्त होने के लिए **(d)** उपर्युक्त सभी

5) कठपुतलियों को किनसे परेशानी थी?

(a) गुस्से से (b) पाँवों से

(c) धागों से (d) उपर्युक्त सभी से

6) कठपुतली ने अपनी इच्छा प्रकट की

(a) हर्षपूर्वक (b) विनम्रतापूर्वक

(c) क्रोधपूर्वक (d) व्यथापूर्वक

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'कठपुतली' कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर- 'कठपुतली' कविता के रचयिता भवानीप्रसाद मिश्र हैं।

प्रश्न-2 कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- कठपुतली को गुस्सा इसलिए आया क्योंकि वह धागे में बँधी हुई पराधीन महसूस करती है और उसे दूसरों के इशारे पर नाचने से दुःख होता है। वह स्वतंत्र होना चाहती है।

प्रश्न-3 कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

उत्तर- कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह नहीं खड़ी होती क्योंकि वह धागों से बंधी होती है और दूसरों के आधीन होती है। उसमें स्वतंत्र रूप से अपने पैरो पर खड़े होने की क्षमता नहीं होती।

प्रश्न-4 पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी?

उत्तर पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को इसलिए अच्छी लगी क्योंकि स्वंत्रता सभी को अच्छी लगती है। सभी कठपुतलियाँ पराधीनता से मुक्त हो कर स्वतंत्र होना चाहती थीं। किसी भी कठपुतली को धा गे में बंध कर रहना और दूसरों के इशारे पर नाचना पसंद नहीं था।

व्याकरण

काल

काल का अर्थ होता है – "समय" । अर्थात क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते है।

दूसरे शब्दों में —-काल क्रिया के उस रूप को कहते है जिससे उसके कार्य करने या होने के समय तथा पूर्णता का ज्ञान होता है। उसे काल कहते है।

क्रिया के होने के समय की सूचना हमें काल से मिलती है। जैसे —

- नीलम बीमार है।
- नीलम बीमार थी ।
- नीलम अस्पताल जाएगी।

काल के भेद-

1. वर्तमान काल (present Tense) – जो समय चल रहा है।
2. भूतकाल(Past Tense) – जो समय बीत चुका है।
3. भविष्यत काल (Future Tense)- जो समय आने वाला है।

1) वर्तमान काल- कोई क्रिया जिस समय घटित होती है, भाषा में वह समय वर्तमान काल कहलाता है।

क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदहारण

- मेरी बहन डॉक्टर है।
- वह रोज अस्पताल जाती है।
- पिताजी सुबह मंदिर जाते है।
- माँ इस समय नाश्ता बना रही है।
- बच्चे स्कूल गए है।

2) भूतकाल :- जिसके द्वारा हमें क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है। उसे भूतकाल कहा जाता है।

भूतकाल दो शब्दों के मेल से बना है – "भूत + काल। भूत का अर्थ होता है – " जो बीत गया और काल का अर्थ होता है – समय।"

- आज हमारा स्कूल बंद था
- हवा बहुत तेज चल रही थी
- वह खा चुका था।
- मैंने पुस्तक पढ़ ली थी।
- वे दोनों मेरे पडोसियों के बच्चे थें।

3) भविष्य काल- जिन चिह्नों से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में घटित होने वाली है, वे चिह्न भविष्यत काल के चिह्न कहलाते हैं |

दूसरे शब्दों में —जिसके द्वारा हमें क्रिया के आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो उसे भविष्यत काल कहते है।

- राम कल पढ़ेगा।
- इस साल बारिश अच्छी होगी
- वह मेरी बात नहीं मानेगी।
- आज बाजार बंद रहेगा
- कमला गाएगी

लेखन विभाग

➢ छात्रवृत्ति के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
केंद्रीय विद्यालय
कालिंदी विहार, नई दिल्ली।
विषय – छात्रवृत्ति हेतु प्रार्थना पत्र
महोदय
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा सातवीं 'ए' की छात्रा हूँ। मेरे पिता जी की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। वे विद्यालय के शुल्क तथा अन्य खर्चे का भार उठा पाने में असमर्थ हैं। मैं अपनी पिछली कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करती रही हूँ तथा खेल-कूद व अन्य प्रतियोगिताओं में भी मैंने अनेक पदक प्राप्त किए हैं।
अतः आप से अनुरोध है कि मुझे विद्यालय के छात्रवृत्ति कोष से छात्रवृत्ति प्रदान करने का कष्ट करें, ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। मैं सदैव आपकी आभारी रहूँगी।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,
नेहा तिवारी
कक्षा-सातवीं
दिनांक.....

➢ गतिविधि – कठपुतली का चित्र बनाए ।

पाठ -5 मीठाईवाला

(लेखक – भगवती प्रसाद वाजपेयी)

➢ मिठाईवाला का सारांश

मिठाईवाले के माध्यम से लेखक ने एक ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति की मन:स्थिति पर प्रकाश डाला है जो असमय ही अपने बच्चों तथा पत्नी को खो चुका है। अपने निराशा भरे जीवन में आशा का संचार करने के लिए वह कभी मिठाईवाला, कभी मुरलीवाला व कभी खिलौनेवाला बनकर आता है वच्चों के प्रति उसका विशेष लगाव झलकता था। उसे उन बच्चों में अपने बच्चों की झलक नजर आती थी जिससे उसे बहुत संतोष और प्रसन्नता का अनुभव होता है। मिठाईवाले का बच्चों को आकर्षित करना-मिठाईवाला पैसों के लालच में अपना सामान नहीं बेचता था, वह तो चाहता था कि बच्चे सदा हँसते-खेलते हैं। इस कारण जब-जब भी आता, बच्चों की मनभावन चीजें, कभी खिलौने व कभी मिठाइवाँ बेचने के लिए लाता। गलीभर में गा-गाकर व कम दाम में सामान बेचकर बच्चों को प्रसन्न करता।

➢ नए शब्द

1) पुलकित
2) हिलोर
3) निरखना
4) मृदुल
5) स्मरण
6) दस्तूर
7) क्षीण
8) आजानुलंबित
9) पोपला
10) कोलाहल

➢ शब्दार्थ

1) पुलकित = प्रसन्न
2) हिलोर = लहर
3) निरखना = देखना
4) साफा = पगड़ी
5) मृदुल = कोमल
6) दस्तूर = नियम
7) तरकीब = उपाय
8) क्षीण = दुर्बल
9) चाव = रुचि
10) चेष्टा = कोशिश
11) कोलाहल = शोर
12) सिवा = अलावा

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक के नाम हैं
   (a) भवानीप्रसाद मिश्र **(b)** भगवतीप्रसाद वाजपेयी
   (c) विजय तेंदुलकर (d) शिवप्रसाद सिंह
2) किसके गान से हलचल मच जाती थी?
   (a) किसी गायक के (b) शास्त्रीय संगीतज्ञ से
   (c) खिलौनेवाले के (d) इनमें कोई नहीं
3) बच्चों ने हाथी-घोड़े कितने में खरीदा था?
   (a) दो रुपए में (b) दो पैसे में
   (c) तीन पैसे में **(d)** पचास पैसे में
4) खिलौनेवाले का गान गली भर के मकानों में कैसे लहराता था?
   (a) झील की तरह **(b)** सागर की तरह
   (c) दो आने में (d) तीन रुपए में
5) चुन्नू-मुन्नू ने कितने में खिलौने खरीदे थे?
   (a) तीन पैसे में (b) दो पैसे में
   (c) दो आने में (d) तीन रुपए में

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक का क्या नाम है?
उत्तर - 'मिठाईवाला' पाठ के लेखक का नाम भगवतीप्रसाद है।
प्रश्न-2 खिलौने देख कर बच्चों को कैसा लगता है?
उत्तर - बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते।
प्रश्न-3 मुन्नू ने खिलौना कितने पैसे में ख़रीदा?
उत्तर - मुन्नू ने खिलौना दो पैसे में ख़रीदा।
प्रश्न-4 खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में कब आया?

उत्तर - खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में छह महीने बाद आया।

प्रश्न-5 मुरलीवाला कैसा साफ़ा बाँधता था?

उत्तर - मुरलीवाला बीकानेरी रंगीन साफ़ा बाँधता था।

प्रश्न-6 चुन्नू और मुन्नू ने कौन सा खिलौना ख़रीदा?

उत्तर - चुन्नू और मुन्नू ने हाथी और घोडा ख़रीदा।

प्रश्न-7 रोहिणी को खिलौनेवाले का स्मरण कब हो आया?

उत्तर - मुरलीवाले के स्वर को सुन कर रोहिणी को खिलौनेवाले का स्मरण हो आया।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 रोहिणी फेरीवाले के बारे में क्यों जानना चाहती थी?

उत्तर - फेरीवाला बच्चों के साथ बहुत प्यार से बातें करता था और सौदा भी सस्ता बेचता था।रोहिणी जानना चाहती थी कि वह कौन है और उसे ऐसा करने से क्या मिलता है।

प्रश्न-2 खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर- खिलौनेवाले वाले की मधुर ध्वनि को सुनकर उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों काझुंड उसे घेर लेता और तब वह खिलौनेवाला वहीं बैठकर खिलौने की पेटी खोल देता। बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते। वे पैसे लाकर खिलौने का मोलभाव करने लगते। खिलौने लेकर फिर बच्चे उछलने-कूदने लगते।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 मिठाईवाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर- मिठाईवाला बच्चों की इच्छाओं को भली भांति समझता था इसलिए वह अलगअलग चीज़ें बेचता था जिससे बच्चों की रूची बनी रहे। अगर वह एक ही प्रकार की चीज़ें लाता तो उसके पास बच्चों की इतनी भीड़ नहीं लगती क्योंकि बच्चें बार बार एक ही तरह की चीज़ें खरीदने उसके पास नहीं आते। मिठाईवाला महीनों बाद इसलिए आता था क्योंकि वह और भी कई जगहों पर जाकर चीज़ें बेचता था।

प्रश्न-2 फेरीवाले के दुःख का क्या कारण था और उसने उससे उबरने का क्या उपाय निकाला?

उत्तर - फेरीवाला अपने नगर का एक प्रतिष्ठित आदमी था। उसके पास मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोडे, नौकर-चाकर सभी कुछ था।उसका एक छोटा सा परिवार था - पत्नी और दो छोटे छोटे बच्चे। परन्तु विधाता की लीला कुछ ऐसी हुई कि उसकी पत्नी और बच्चे नहीं रहे। इस दुःख से निकलने के लिए उसने घूम घूम कर बच्चों की चीज़ें बेचना शुरू कर दिया। बच्चों को उछलता कूदता देख और उन्हें खुश देखकर उसे भी असीम सुख का अनुभव होता।

व्याकरण

समास

समास 'संक्षिप्तिकरण' को समास कहते हैं। दूसरे शब्दों में समास संक्षेप करने की एक प्रक्रिया है। दो या दो से अधिक शब्दों का परस्पर सम्बन्ध बताने वाले शब्दों अथवा कारक चिह्नों का लोप होने पर उन दो अथवा दो से अधिक शब्दों के मेल से बने एक स्वतन्त्र शब्द को समास कहते हैं। उदाहरण 'दया का सागर' का सामासिक शब्द बनता है 'दयासागर'।
समासों के परम्परागत छः भेद हैं-

1. द्वन्द्व समास
2. द्विगु समास
3. तत्पुरुष समास
4. कर्मधारय समास
5. अव्ययीभाव समास
6. बहुव्रीहि समास

1. द्वन्द्व समास

जिस समास में पूर्वपद और उत्तरपद दोनों ही प्रधान हों अर्थात् अर्थ की दृष्टि से दोनों का स्वतन्त्र अस्तित्व हो और उनके मध्य संयोजक शब्द का लोप हो तो द्वन्द्व समास कहलाता है; जैसे

- माता-पिता = माता और पिता
- राम-कृष्ण = राम और कृष्ण
- भाई-बहन = भाई और बहन
- पाप-पुण्य = पाप और पुण्य
- सुख-दुःख = सुख और दुःख

2. द्विगु समास

जिस समास में पूर्वपद संख्यावाचक हो, द्विगु समास कहलाता है।
जैसे-

- नवरत्न = नौ रत्नों का समूह
- सप्तदीप = सात दीपों का समूह
- त्रिभुवन = तीन भुवनों का समूह
- सतमंजिल = सात मंजिलों का समूह

3. तत्पुरुष समास

जिस समास में पूर्वपद गौण तथा उत्तरपद प्रधान हो, तत्पुरुष समास कहलाता है। दोनों पदों के बीच परसर्ग का लोप रहता है। परसर्ग लोप के आधार पर तत्पुरुष समास के छः भेद हैं

- मतदाता = मत को देने वाला

- गिरहकट = गिरह को काटने वाला
- जन्मजात = जन्म से उत्पन्न
- मुँहमाँगा = मुँह से माँगा
- गुणहीन = गुणों से हीन
- घुड़सवार = घोड़े पर सवार

4. कर्मधारय समास

जिस समास में पूर्वपद विशेषण और उत्तरपद विशेष्य हो, कर्मधारय समास कहलाता है। इसमें भी उत्तरपद प्रधान होता है; जैसे

- कालीमिर्च = काली है जो मिर्च
- नीलकमल = नीला है जो कमल
- पीताम्बर = पीत (पीला) है जो अम्बर
- चन्द्रमुखी = चन्द्र के समान मुख वाली
- सद्गुण = सद् हैं जो गुण

5. अव्ययीभाव समास- जिस समास में पूर्वपद अव्यय हो, अव्ययीभाव समास कहलाता है।यह वाक्य में क्रियाविशेषण का कार्य करता है; जैसे-

- यथास्थान = स्थान के अनुसार
- आजीवन = जीवन-भर
- प्रतिदिन = प्रत्येक दिन
- यथासमय = समय के अनुसार

6. बहुव्रीहि समास- जिस समास में दोनों पदों के माध्यम से एक विशेष (तीसरे) अर्थ का बोध होता है, बहुव्रीहि समास कहलाता है; जैसे

- महात्मा = महान् आत्मा है जिसकी अर्थात् ऊँची आत्मा वाला।
- नीलकण्ठ = नीला कण्ठ है जिनका अर्थात् शिवजी।
- लम्बोदर = लम्बा उदर है जिनका अर्थात् गणेशजी।
- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाले अर्थात् श्रीकृष्ण।
- मक्खीचूस = बहुत कंजूस व्यक्ति

-

लेखन विभाग

* आप जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू सूरत में हिंदी साहित्य समिति के सचिव हैं |आपके विद्यालय में आयोजित दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए एक सूचना पत्र लिखें |

जी० डी० गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, वेसू, सूरत

सूचना

26 जुलाई 20 (वर्तमान वर्ष)

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 10 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 - -तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे

सचिव

हिंदी साहित्य समिति

➢ गतिविधि – मिठाईवाले का चित्र बनाए |

बाल महाभारत

पाठ – 3,4,5,6

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-1 राजा शांतनु क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर- राजा शांतनु देवव्रत को पुत्र के रूप में पाकर प्रसन्न थे।

प्रश्न-2 राजा शांतनु ने यमुना तट पर क्या देखा?

उत्तर- राजा शांतनु ने यमुना तट पर अप्सरा-सी सुंदर एक तरुणी को देखा जिसका नाम सत्यवती था।

प्रश्न-3 सत्यवती को देखकर राजा शांतनु के मन में क्या विचार आया?

उत्तर - सत्यवती को देखकर राजा शांतनु के मन में उन्हें अपनी पत्नी बनाने की इच्छा हुई।

प्रश्न-4 केवटराज की क्या सर्त थी?

उत्तर - केवटराज की शर्त थी कि राजा शांतनु के बाद हस्तिनापुर का राज सिंहासन सत्यवती के पुत्र को मिले।

प्रश्न-5 राजा शांतनु क्यों चिंतित थे?

उत्तर - राजा शांतनु इसलिए चिंतित थे क्योंकि वह सत्यवती से विवाह करना चाहते थे पर सत्यवती के पिता केवटराज ने जो शर्त रखी वो अनुचित थी।

प्रश्न-6 देवव्रत को पिता शांतनु के चिंतित होने का कारण किस प्रकार पता चला?

उत्तर - देवव्रत को पिता शांतनु के चिंतित होने का कारण उनके सारथी से पूछताछ करने से पता चला।

प्रश्न-7 देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा?

उत्तर - देवव्रत का नाम भीष्म इसलिए पड़ा क्योंकि उन्होंने आजन्म ब्रह्मचारी रहने की कठोर प्रतिज्ञा की थी।

प्रश्न-8 सत्यवती और शांतनु के कितने पुत्र हुए?

उत्तर - सत्यवती और शांतनु के दो पुत्र हुए - चित्रांगद और विचित्रवीर्य।

प्रश्न-9 राजा शांतनु के बाद कौन हस्तिनापुर के सिहांसन पर बैठा?

उत्तर - राजा शांतनु के बाद चित्रांगद हस्तिनापुर के सिहांसन पर बैठा।

प्रश्न-10 विचित्रवीर्य की कितनी रानियाँ थीं? उनके नाम लिखें।

उत्तर - विचित्रवीर्य की दो रानियाँ थीं - अंबिका और अंबालिका।

प्रश्न-11 चित्रांगद कैसे योद्धा थे?

उत्तर- चित्रांगद बड़े ही वीर, परन्तु स्वेछाचारी योद्धा थे ।

प्रश्न-12 चित्रांगद की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर- एक बार किसी गंधर्व के साथ युद्ध हुआ, जिसमें वे मारे गए ।

प्रश्न-13 चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी क्यों दी गई?

उत्तर - चित्रांगद के मृत्यु के बाद विचित्रवीर्य को राजगद्दी इसलिए दी गई क्योंकि चित्रांगद का कोई पुत्र
नहीं था ।

प्रश्न-14 भीष्म काशी क्यों गए?

उत्तर - भीष्म काशिराज की कन्यायों के स्वयंवर में सम्मिलित होने काशी गए ।

प्रश्न-15 विदुर कौन थे?

उत्तर- विचित्रवीर्य की रानी अंबालिका की दासी के पुत्र आगे चलकर विदुर के नाम से प्रख्यात हुए।

प्रश्न-16 राजा धृतराष्ट्र, दुर्योधन को जुआ खेलने से क्यों नहीं रोक पाए?

उत्तर - राजा धृतराष्ट्र दुर्योधन से बहुत स्नेह करते थे। अपनी इस कमज़ोरी के कारण वह दुर्योधन को जुआ खेलने से नहीं रोक पाए।

प्रश्न-17 राजा शूरसेन कौन थे?

उत्तर- यदुवंश के प्रसिद्ध राजा शूरसेन श्रीकृष्ण के पितामह थे।

प्रश्न-18 राजा शूरसेन की कन्या का क्या नाम था?

उत्तर- राजा शूरसेन की कन्या का नाम पृथा था।

प्रश्न-19 कुंतीभोज कौन थे?

उत्तर - राजा शूरसेन के फुफेरे भाई का नाम कुंतीभोज था।

प्रश्न-20 कुंती ने बचपन में कौन से ऋषि की सेवा की?

उत्तर - कुंती ने बचपन में ऋषि दुर्वासा की सेवा की।

प्रश्न-21 कर्ण कौन थे?

उत्तर - कुंती ने सूर्य के संयोग से सूर्य के समान तेजस्वी और सुंदर बालक को जन्म दिया जो आगे चलकर कर्ण के नाम से विख्यात हुए।

प्रश्न-22 अधिरथ कौन था?

उत्तर - अधिरथ एक सारथी था।

प्रश्न-23 कर्ण का पालन पोषण कहाँ हुआ?

उत्तर - कर्ण का पालन पोषण अधिरथ नाम के एक सारथी के यहाँ हुआ।

प्रश्न-24 कुंती का विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर - कुंती का विवाह हस्तिनापुर के राजा पांडु के साथ हुआ।

प्रश्न-25 राजा पांडु का दूसरा विवाह किसके साथ हुआ?

उत्तर - राजा पांडु का दूसरा विवाह मद्रराज की कन्या माद्री के साथ हुआ।

पाठ -6 रक्त और हमारा शरीर

(लेखक – यतीश अग्रवाल)

➢ पाठ का सार

इस पाठ में बताया गया है कि रक्त हमारे शरीर के लिए कितना आवश्यक है। रक्त में कौन-कौन से कण पाए, जाते है तथा रक्त दान करना किसी को जीवन दान देना है। अनिल की छोटी बहन दिव्या बहुत कमजोर थी। वह हमेशा थकान महसूस करती, किसी काम में उसका मन न लगता, भूख भी उसे पहले से कम लगने लगी थी इसलिए वह उसे अस्पताल ले गया। वहाँ डॉक्टर ने बताया कि उसके खून की जाँच की जाएगी, लगता है कि उसमें खून की कमी ह।लाल दिखाई देता है। ये साँस लेने पर ग्रहण की गई ऑक्सीजन को शरीर के हर हिस्से तक पहुँचाते हैं। चार महीने होते-होते ये नष्ट हो जाते हैं और इनके स्थान पर नए रक्त-कण बन जाते हैं ये हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में प्रोटीन, लौह तत्व और विटामिन से बनते हैं। सफेद कण शरीर को रोगाणुओं से बचाते है। ये बीमारियों के कीटाणुओं का डटकर मुकाबला करते हैं और बहुत से रोगों से हमारी रक्षा करते हैं।एक मनुष्य के शरीर में पाँच लीटर खून होता है। रक्तदान करने से हम किसी जरूरत मंद का जीवन बचा सकते हैं।

➢ नए शब्द

1) एनीमिया
2) जिज्ञासा

3) उपयुक्त 4) ग्रहण

5) पौष्टिक 6) दूषित

➢ शब्दार्थ

1) स्लाइड= काँच की पतली छोटी पट्टिका
2) एनीमिया = खून की कमी से होने वाली बीमारी
3) जिज्ञासा = जानने की इच्छा
4) उपयुक्त= सही
5) पौष्टिक = ताकतवर
6) दूषित = गंदा
7) वर्ग = समहू
8) निराधार= बिना आधार का

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) दिव्या को क्या महसूस होता है?
   (a) भूख में कमी (b) याददाशत की कमी
   (c) थकान (d) बेचैनी
2) दिव्या अनिल के साथ अस्पताल क्यों गई?
   (a) भूख न लगने से **(b)** थकान महसूस होने से
   (c) काम में मन न लगने से (d) उपर्युक्त सभी
3) दिव्या के शरीर के किस अंग से रक्त लिया गया?
   (a) बाजू से **(b)** उँगली से
   (c) पैर से (d) हथेली से
4) एनीमिया क्या है?
   (a) आँखों की बीमारी
   (b) पेट की बीमारी
   (c) रक्त की कमी से होने वाली बीमारी
   (d) रक्त की अधिकता से होने वाली बीमारी
5) पेट में पाए जाने वाले कीड़े किस बीमारी का कारण बनते हैं?
   (a) दमा (b) क्षयरोग
   (c) रतौंधी **(d)** एनीमिया
6) डॉक्टर स्लाइड की जाँच किस यंत्र द्वारा कर रही थी?
   (a) दूरदर्शी द्वारा **(b)** सूक्ष्मदर्शी द्वारा
   (c) दूरबीन द्वारा (d) उपर्युक्त सभी

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 दिव्या को कौन सी बीमारी थी?

उत्तर - दिव्या को एनीमिया था।

प्रश्न-2 मोटेतौर पर रक्त के कितने भाग होते हैं?

उत्तर - मोटेतौर पर रक्त के दो भाग होते हैं।

प्रश्न-3 रक्त के तरल भाग को क्या कहते हैं?

उत्तर - रक्त के तरल भाग को प्लाज्मा कहते हैं।

प्रश्न-4 एनीमिया क्या होता है?

उत्तर - रक्त में लाल कणों की कमी को एनीमिया कहते हैं।

प्रश्न-5 डॉक्टर दीदी ने अनिल को दिव्या के बारे में क्या बताया?

उत्तर - डॉक्टर दीदी ने अनिल को बताया कि दिव्या को एनीमिया है।

प्रश्न-6 अनिल और दिव्या कौन थे और वे कहाँ गए थे?

उत्तर - अनिल और दिव्या भाई बहन थे और वे अस्पताल गए थे।

प्रश्न-7 डॉक्टर दीदी ने अनिल को रिपोर्ट लेने के लिए कब बुलाया?

उत्तर - डॉक्टर दीदी ने अनिल को रिपोर्ट लेने के लिए अगले दिन बुलाया।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 रक्त में सफ़ेद कणों का क्या महत्व होता है?

उत्तर - सफ़ेद कण वास्तव में हमारे शरीर के वीर सिपाही हैं। जब रोगाणु शरीर पर धावा बोलने की कोशिश करते हैं तो सफ़ेद कण उनसे डटकर मुकाबला करते हैं और जहाँ तक संभव हो पाता है रोगाणुओं को भीतर घर नहीं करने देते।

प्रश्न-2 रक्त के बहाव को रोकने के लिए क्या करना चाहिए?

उत्तर रक्त के बहाव को रोकने के लिए चोट के स्थान पर कसकर एक साफ़ कपड़ा बाँध देना चाहिए। दबाव पड़ने से रक्त का बहना कम हो जाता है, जो उस व्यक्ति के लिए काफ़ी लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। फिर घायल व्यक्ति को जल्दी से डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए।

प्रश्न-3 रक्त में लाल कणों का क्या महत्व होता है?

उत्तर - लाल कणों के कारण ही हमें रक्त लाल रंग का नज़र आता है। ये कण शरीर के लिए दिनरात काम करते हैं। साँस लेने पर साफ़ हवा से जो ऑक्सीजन हम प्राप्त करते हैं उसे शरीर के हर हिस्से में पहुँचाने का काम इन कणों का ही है। इनका जीवनकाल लगभग चार महीने होता है।

प्रश्न-4 रक्त के सफ़ेद कणों को 'वीर सिपाही' क्यों कहा गया है?

उत्तर रक्त के सफ़ेद कणों को 'वीर सिपाही' इसलिए कहा गया है क्योंकि जब रोगाणु शरीर पर धावा बोलने की कोशिश करते हैं तो सफ़ेद कण उनसे डटकर मुकाबला करते हैं और जहाँ तक संभव हो पाता है रोगाणुओं को भीतर घर नहीं करने देते। वे बहुत से रोगों से हमारी रक्षा करते हैं।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पेट में कीड़े क्यों हो जाते हैं? इनसे कैसे बचा जा सकता है?

उत्तर - ये कीड़े प्राय: दूषित जल और खाद्य पदार्थों द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अत: इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफ़ाई से बनाए गए खाद्य पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन क रने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ़ पानी ही पिएँ। शौच के लिए हम शौचालय का ही प्रयोग करें औ र इधर-उधर नंगे पैर न घूमें।

प्रश्न-2 रक्त में बिंबाणुओं का क्या काम होता है?

उत्तर - बिंबाणुओं का काम है चोट लगने पर रक्त जमाव क्रिया में मदद करना। रक्त के तरल भाग प्लाज्मा में एक विशेष किस्म की प्रोटीन होती है जो रक्तवाहिका की कटीफटी दीवार में मकड़ी के जाले के समान एक जाला बुन देती है। बिंबाणु इस जाले से चिपक जाते हैं और इस तरह दीवार में आई दरार भर जाती है, जिससे र क्त बाहर निकलना बंद हो जाता है।

प्रश्न-3 ब्लड-बैंक में रक्तदान से क्या लाभ है?

उत्तर - लोगों द्वारा किए गए रक्तदान को इन ब्लडबैंकों में सुरक्षित रखा जाता है। प्राय: हर बड़े अस्पताल में इस तरह के बैंक होते हैं, जहाँ, सभी प्रकार के रक्त समूहों का रक्त तैयार रखा जाता है। आपात स्थिति में अगर किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता हो तो ब्लड-
बैंक के द्वारा उसकी आपूर्ति की जाती है। इस प्रकार ब्लड-
बैंक में किया गया रक्तदान किसी व्यक्ति की जान बचाने में काम आ जाता है।

प्रश्न-4 खून को 'भानुमती का पिटारा' क्यों कहा जाता है?

उत्तर जिस प्रकार भानुमती के पिटारे में कई तरह की वस्तुएँ होती हैं उसी प्रकार अगर रक्त की एक बून्द को भी सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखा जाए तो उसमे भी कई तरह के कण होते हैं। मोटेतौर पर रक्त के दो भाग होते हैं। ए क भाग वह जो तरल है, जिसे हम प्लाज्मा कहते हैं। दूसरा, वह जिसमें छोटे-
बड़े कई तरह के कण होते हैं...कुछ लाल, कुछ सफ़ेद और कुछ ऐसे जिनका कोई रंग नहीं, जिन्हें बिंबाणु (प्लेटलैट कण) कहते हैं। ये कण प्लाज्मा में तैरते रहते हैं।

व्याकरण

➢ सर्वनाम की परिभाषा

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते है।

सरल शब्दों में- सर्व (सब) नामों (संज्ञाओं) के बदले जो शब्द आते है, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

मै, तू, वह, आप, कोई, यह, ये, वे, हम, तुम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

➢ सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद होते है-

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम
(2) निश्चयवाचक सर्वनाम
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(4) संबंधवाचक सर्वनाम
(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(6) निजवाचक सर्वनाम

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम:-जिन सर्वनाम शब्दों से व्यक्ति का बोध होता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- मैं आता हूँ।
तुम जाते हो।
वह भागता है।

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम:- सर्वनाम के जिस रूप से हमे किसी बात या वस्तु का निश्चत रूप से बोध होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरण : यह मेरी घडी है ।
वह एक लड़का है ।
वे इधर ही आ रहे हैं ।

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम:-जिस सर्वनाम शब्द से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध न हो, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरण :
लस्सी में कुछ पड़ा है ।
भिखारी को कुछ दे दो ।
कौन आ रहा है ।
राम को किसने बुलाया है ।
शायद किसी ने घंटी बजायी है ।

(4) संबंधवाचक सर्वनाम:-जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से संबंध ज्ञात हो तथा

जो शब्द दो वाक्यों को जोड़ते है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- जो, जिसकी, सो, जिसने, जैसा, वैसा आदि।

जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

जिसकी लाठी, उसकी भैंस।

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम :-जो सर्वनाम शब्द सवाल पूछने के लिए प्रयुक्त होते है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते है।

जैसे- कौन, क्या, किसने आदि।

टोकरी में क्या रखा है ?

बाहर कौन खड़ा है ?

तुम क्या खा रहे हो ?

(6) निजवाचक सर्वनाम:-'निज' का अर्थ होता है- अपना और 'वाचक' का अर्थ होता है- बोध (ज्ञान) कराने वाला अर्थात 'निजवाचक' का अर्थ हुआ- अपनेपन का बोध कराना।

जैसे- अपने आप, निजी, खुद आदि।

उदाहरण :

उसने अपने आप को बर्बाद कर लिया ।

मैं खुद फोन कर लूँगा ।

तुम स्वयं यह कार्य करो ।

श्वेता आप ही चली गयी ।

लेखन-विभाग

कहानी लेखन

संकेत - (पालतु चिड़िय, ताजा पानी और दाना, चालाक बिल्ली डॉक्टर का वेश धारण कर वहाँ पहुँची, स्वास्थ्य परीक्षण, बिल्ली की चाल को तुरंत समझ गई, दुश्मन बिल्ली, मायूस होकर बिल्ली वहाँ से चली गई)

चालाक चिड़िया

एक व्यक्ति ने अपने पालतु चिड़ियों के लिए एक बड़ा-सा पिंजरा बनाया उस पिंजरे के अंदर चिड़िया आराम से रह सकती थीं। वह व्यक्ति प्रतिदिन उन चिड़ियों को ताजा पानी और दाना देता।एक दिन उस व्यक्ति की अनुपस्थिति में एक चालाक बिल्ली डॉक्टर का वेश धारण कर वहाँ पहुँची और बोली, "मेरे प्यारे दोस्तो पिंजरे का दरवाजा खोलो। मैं एक डॉक्टर हूँ और तुम सब के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए यहाँ आई हूँ।"समझदार चिड़ियाएँ बिल्ली की चाल को तुरंत समझ गईं। वे उससे बोली, "तुम हमारी दुश्मन बिल्ली हो। हम तुम्हारे लिए दरवाजा हरगिज नहीं खोलेंगे। यहाँ से चली जाओ।" तब बिल्ली बोली,"नहीं, नहीं। मैं तो एक डॉक्टर हूँ। तुम मुझे गलत समझ रहे हो। मैं तुम्हें कोई हानि नहीं पहुँचाऊँगी। कृपया दरवाजा खोल दो।" लेकिन चिड़िया उसकी बातों में नहीं आई। उन्होंने उससे स्पष्ट रूप से मना कर दिया। आखिरकार मायूस होकर बिल्ली वहाँ से चली गई।
शिक्षा - समझदारी किसी भी मुसीबत को टाल सकती है।

➢ गतिविधि – रक्तदान के बारे में दस वाक्य लिखिए |

पाठ-7 पापा खो गए

(लेखक – विजय तेंदुलकर)

➢ पाठ का सार

मराठी के प्रसिद्ध कहानीकार विजय तेंदुलकर की इस लघु नाटिका में सजीव और निर्जीव पात्रों के माध्यम से एक उद्देश्यपूर्ण व प्रभावशाली कथानक प्रस्तुत किया गया है। इसमें दिखाया गया है कि हमारे समाज में कुछ असामाजिक तत्व नन्हें बच्चों को उठाकर ले जाते हैं और उनसे मनचाहा काम करवाकर अपनी आजीविका कमाते हैं। समुद्र के किनारे एक पेड़ व एक खंभा खड़ा है। जिनमें पहले बोलचाल नहीं थी परंतु एक तूफानी रात में खंभा टेडा होकर पेड पर गिर गया । पेड़ ने स्वयं घायल होकर भी खंभे को गिरने से बचाया। जिससे दोनों में घनिष्ठ मित्रता हो गई। उस पेड़ के दूसरी ओर एक लाल लैटरबक्स भी था जो पढ़ा-लिखा और हँसमुख था। प्रायः लोगों को चिट्ठियाँ चोरी-चोरी पढ़ता था और रात के समय गाने गुनगुनाता था। सामने की दीवार पर चिपका फिल्मी पोस्टर हवा से बार-बार टेढ़ा होता तो ऐसा प्रतीत होता कि कोई नायिका नृत्य कर रही हो। कौआ काँव-काँव करता है और पोस्टर पर लिखा होता है 'पापा खो गए। लैटरबक्स लोगों से कह रहा होता है कि यदि किसी के पापा मिल जाएँ तो उन्हें वहाँ ले आएँ।

➢ नए शब्द

1) भंगिमा
2) जम्हाई
3) चुंगी
4) कर्कश

5) फोकट
6) चौकस
7) अधखुली
8) गश्त लगाना
9) यत्न
10) घनी

➢ शब्दार्थ

1) भंगिमा = दिखने का ढंग
2) जम्हाई = उबासी लेना
3) चुंगी = टैक्स
4) कर्कश = कठोर
5) अधखुली = आधी खाली
6) गश्त लगाना = घूमना
7) टहनी = शाखा
8) यत्न = उपाय
9) दाद देना = प्रशंसा करना
10) घनी = सघन
11) प्रेक्षक = दर्शक

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) इस पाठ और लेखक का नाम इनमें से कौन-सा है?
   (a) दादी माँ-शिवप्रसाद सिंह
   (b) हिमालय की बेटियाँ-नागार्जुन
   (c) मिठाईवाला-भगवती वाजपेयी
   (d) पापा खो गए-विजय तेंदुलकर
2) खंभा, पेड़, लैटरबक्स सभी एक साथ कहाँ खड़े थे?
   (a) विद्यालय के समीप (b) जंगल के पास
   (c) समुद्र के किनारे (d) झील के किनारे
3) इस पाठ में किस समय यह घटनाएं हो रही हैं ?
   (a) प्रातःकाल (b) सायंकाल
   (c) रात्रि में (d) दोपहर में
4) पत्र को कौन पढ़ रहा है?
   (a) पेड़ (b) कौआ
   (c) लैटरबक्स (d) खंभा
5) आसमान में गड़गड़ाती बिजली किस पर आ गिरी थी?
   (a) खंभे पर **(b)** पेड़ पर
   (c) लैटरबक्स पर (d) पोस्टर पर

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 "पापा खो गए" पाठ की विधा क्या है?

उत्तर - पापा खो गए" पाठ की विधा 'कहानी' है।

प्रश्न-2 खंभा, पेड़ और लैटरबक्स कहाँ थे?

उत्तर - खंभा, पेड़ और लैटरबक्स समुद्र के सामने थे।

प्रश्न-3 खंभे को कौन सी रातें अच्छी नहीं लगती?

उत्तर - खंभे को बरसात की रातें अच्छी नहीं लगती।

प्रश्न-4 आसमान से गड़गड़ाती बिजली किस पर गिर पड़ी थी?

उत्तर - आसमान से गड़गड़ाती बिजली पेड़ पर गिर पड़ी थी।

प्रश्न-5 खंभा बीमार क्यों नहीं पड़ता था?

उत्तर - खंभा लोहे का बना था इसलिए वह बीमार नहीं पड़ता था।

प्रश्न-6 नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों?

उत्तर - नाटक में सबसे बुद्धिमान पात्र कौआ लगा है क्योंकि अंत में कौआ ही लड़की को सही सलामत उसके घ र पहुँचाने की तरकीब सोचता है।

प्रश्न-7 लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर - लैटरबक्स ऊपर से नीचे तक पूरा सिर्फ़ लाल रंग में रंगा हुआ था। वह बड़ों की तरह बातें भी करता था इसलिए उसे सभी लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पेड़ के जन्मस्थान में समय के साथ क्या - क्या बदलाव आया है?

उत्तर - वहाँ के, वे सब ऊँचे - ऊँचे घर नहीं थे तब। सड़क भी नहीं थी। वह सिनेमा का बड़ा सा पोस्टर और उसमें नाचनेवाली औरत भी तब नहीं थी। सिर्फ़ सामने का वह समुद्र था।

प्रश्न-2 लैटरबक्स को अपना बहुत महत्व क्यों लगता है?

उत्तर - लैटरबक्स सब की चिट्ठी सँभालकर रखता है। अगर वह किसी की चिठ्ठी पढ़ भी ले तब भी उस में लिखी गुप्त बातें वह अपने तक ही रखता है। इसीलिए लैटरबक्स को अपना बहुत महत्व लगता है।

प्रश्न-3 क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

उत्तर सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर पर नहीं पहुँचा पा रहे थे क्योंकि लड़की इतनी छोटी थी कि उसे अपने घर का पता, गली का नाम, सड़क का नाम, घर का नंबर यहाँ तक की अपने पापा का नाम तक नहीं मालूम था।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-**1** पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई?

उत्तर - खंभा शुरू - शुरू में पेड़ से बात नहीं करता था। कई बार पेड़ ने खंभे से बात करने की कोशिश की पर खंभे ने अपने अकड़ के कारण कभी पेड़ से बात नहीं की। अंत पेड़ ने भी उससे बात करना छोड़ दिया। फिर एक दिन तेज़ आँधी में खंभा पेड़ पर गिर पड़ा। पेड़ ने खंभे को संभाल लिया पर स्वयं ज़ख्मी हो गया। यह देखकर खंभे का गरूर ख़त्म हो गया और उस दिन से दोनों में दोस्ती हो गई।

प्रश्न-2 कौए ने लड़की को उसके घर पहुँचाने की कौन सी तरकीब सोची?

उत्तर - कौए ने लड़की को बचाने के लिए एक तरकीब सोची उसने पेड़ को कहा कि वह सुबह तक अपनी घनी छाया किए रहे जिससे लड़की देर तक सोती रहे। फि खंभे को टेढ़ा खड़े होने को कहा जिससे पुलिस को लगे कि वहाँ कोई एक्सीडैंट हुआ है। ऐसा देखकर पुलिस जब वहाँ आएगी और बच्ची को देखेगी तो उसे उसके घर पहुँचा देगी। यह सुनकर खंभा कहता - "अगर पुलिस नहीं आयी तो?", इस पर कौआ बोलता है कि तब वह काँव - काँव करके लोगो का ध्यान इधर खींचेगा। यह सब सुनकर लैटरबक्स कहता है "अगर फिर भी कोई नहीं आया तो?", तबकौआ लैटरबक्स को उस सिनेमा के पोस्टर पर सूचना लिखने को कहता है कि "पापा खो गए"।सुबह होने पर सभी योजना अनुसार अपना - अपना काम शुरू कर देते हैं।

व्याकरण

➢ क्रिया की परिभाषा

जिस शब्द के द्वारा किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे क्रिया कहते है।

जैसे- पढ़ना, खाना, पीना, जाना इत्यादि।

'क्रिया' का अर्थ होता है- करना। प्रत्येक भाषा के वाक्य में क्रिया का बहुत महत्त्व होता है।

अली पुस्तक पढ़ रहा है।

बाहर बारिश हो रही है।

बाजार में बम फटा।

बच्चा पलंग से गिर गया।

1) अकर्मक क्रिया- अकर्मक क्रिया का अर्थ होता है, कर्म के बिना या कर्म रहित। जिन क्रियाओं को कर्म की जरूरत नहीं पडती और क्रियाओं का फल कर्ता पर ही पड़ता है, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे - तैरना, कूदना, सोना, उछलना, मरना, जीना, रोना, हँसता, चलता, दौड़ता, होना, खेलना,

उदहारण -

(i) वह चढ़ता है।
(ii) वे हंसते हैं।
(iii) नीता खा रही है।
(iv) पक्षी उड़ रहे हैं।

2) सकर्मक क्रिया- सकर्मक का अर्थ होता है, कर्म के साथ या कर्म सहित। जिस क्रिया का प्रभाव कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

जैसे -

(i) वह चढाई चढ़ता है।
(ii) मैं खुशी से हँसता हूँ।
(iii) नीता खाना खा रही है।
(iv) बच्चे जोरों से रो रहे हैं।

लेखन विभाग

1. अपने विद्यालय की संस्था 'पहरेदार' की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 30 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

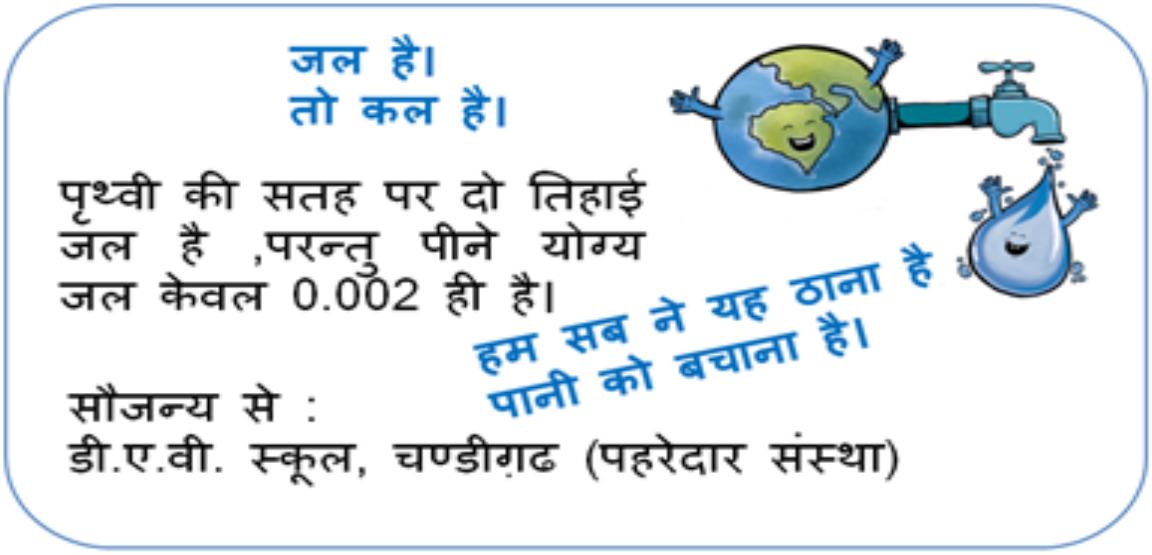

➢ गतिविधि – पापा खो गए नाटक का चित्र बनाए |

बाल महाभारत

पाठ -7,8,9,10

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-1 धृतराष्ट्र के कितने पुत्र थे? वे क्या कहलाते थे?

उत्तर- धृतराष्ट्र के सौ पुत्र थे। वे कौरव कहलाते थे।

प्रश्न-2 शरीर- बल में सबसे बढ़कर कौन था?

उत्तर- शरीर- बल में पांडु का पुत्र भीम सबसे बढ़कर था।

प्रश्न-3 खेलों में दुर्योधन और उसके भाईयों को कौन तंग किया करता था?

उत्तर - खेलों में दुर्योधन और उसके भाईयों को भीम तंग किया करता था।

प्रश्न-4 भीम दुर्योधन और उसके भाईयों को क्यों तंग किया करता था?

उत्तर -भीम के मन में कोई बैर नहीं था। वह बचपन के जोश के कारण ही दुर्योधन और उसके भाईयों को तंग किया करता था।

प्रश्न-5 कौरवों और पांडवों ने अस्त्र विद्या किनसे सीखा?

उत्तर - कौरवों और पांडवों ने अस्त्र विद्या कृपाचार्य से सीखा।

प्रश्न-6 भीम पर विष का क्या असर हुआ?

उत्तर- भीम को विष के कारण गहरा नशा हो गया था।

प्रश्न-7 पांडवों ने कौन-कौन से ऋषियों से अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा पाई?

उत्तर- पांडवों ने पहले कृपाचार्य से और बाद में द्रोणाचार्य से अस्त्र - शस्त्र की शिक्षा पाई।

प्रश्न-8 कर्ण कौन था और उसने दुर्योधन से क्या कहा?

उत्तर कर्ण अधिरथ द्वारा पोषित कुंती पुत्र था। कर्ण ने दुर्योधन से कहा कि वह अर्जुन से द्वंद्व युद्ध और उससे मित्रता करना चाहता है।

प्रश्न-9 कर्ण की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर -जब शापवश कर्ण के रथ का पहिया ज़मीन में धँस गया और वह धनुष बाण रखकर ज़मीन में धँसा हुआ पहिया निकलने लगा, तभी अर्जुन ने उस महारथी पर प्रहार किया और उसकी मृत्यु हो गई।

प्रश्न-10 कर्ण ने अर्जुन से क्या कहा?

उत्तर - कर्ण ने अर्जुन से कहा कि जो भी करतब उसने यहाँ दिखाए हैं, उनसे बढ़कर कौशल वह दिखा सकता है।

प्रश्न-11 आचार्य द्रोण कौन थे?

उत्तर- आचार्य द्रोण महर्षि भरद्वाज के पुत्र थे।

प्रश्न-12 राजकुमार द्रुपद बचपन के दिनों में द्रोण से क्या कहा करते थे?

उत्तर - राजकुमार द्रुपद बचपन के दिनों में उत्साह में आकर द्रोण से कहा करते थे कि पांचाल देश का राजा बन जाने पर वह आधा राज्य द्रोण को दे देंगें।

प्रश्न-13 द्रुपद कौन थे और वह कहाँ शिक्षा पा रहे थे?

उत्तर - द्रुपद पांचाल नरेश के पुत्र थे और वह द्रोण के साथ ही भरद्वाज आश्रम में शिक्षा पा रहे थे।

प्रश्न-14 द्रोण को क्या इच्छा हुई?

उत्तर -द्रोण बड़े गरीब थे। वह चाहते थे कि धन प्राप्त किया जाए और अपनी पत्नी और पुत्र के साथ सुख से रहा जाए।

प्रश्न-15 द्रोण परशुराम के पास क्यों गए?

उत्तर - द्रोण परशुराम के पास इसलिए गए क्योंकि उन्हें खबर लगी कि परशुराम अपनी सारी संपत्ति गरीब ब्राह्मणों को बाँट रहे हैं।

प्रश्न-16 द्रोण ने परशुराम से क्या सिखाने की प्रार्थना की?

उत्तर - द्रोण ने उनसे सारे अस्त्रों के प्रयोग तथा रहस्य सिखाने की प्रार्थना की।

प्रश्न-17 दुर्योधन की जलन का क्या कारण था?

उत्तर- भीमसेन का शरीर - बल और अर्जुन की युद्ध कुशलता ही दुर्योधन की जलन का कारण थी।

प्रश्न-18 दुर्योधन के सलाहकार कौन थे?

उत्तर - दुर्योधन के सलाहकार मामा शकुनी और कर्ण थे।

प्रश्न-19 शकुनी कौन था?

उत्तर - शकुनी दुर्योधन का मामा था।

प्रश्न-20 धृतराष्ट्र के छोटे भाई पांडु को सिंहासन क्यों दिया गया था?

उत्तर - धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे इसलिए उनके छोटे भाई पांडु को सिंहासन दिया गया था।

प्रश्न-21 पाण्डु के अकाल मृत्यु हो जाने पर किसने राज काज सँभाला और क्यों?

उत्तर - पाण्डु के अकाल मृत्यु हो जाने पर धृतराष्ट्र ने राज काज सँभाला क्योंकि पांडव बालक थे।